

५५ ३४०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ उगता वा देवैः कजनाय नमो सर्वसाधकयस्य कवचस्य
धिसत्त्वकाधवा उवधधर्मासंघस्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धर्मसत्त्व बज्राकारं चुरत श्री महाविहार

DH 340

मगधमखरुगवनामगधमगयीकवमाहुवनि॥नानाडगक्यनिविद्यतलोक
नायकैरुगवनादनामगधमनिव्यानीनानावयकितिलवकवनाकाधयून
निवाधिसखावतकयमादाघावनिर्वगगगनयक्रमसखानारिथयउगतालव
यकिर्न॥कषुलिजननिरुययविब्रवनाकिर्नउगकगसहारिसंवदनंन
विरुषिर्नवदधमदिपयायजागामदगनवाकियंगयकजनामदिर्नकवनाः

कवंधावंगुहातनंमूखरुयस्यायिरुयंकवयवविधुगतासन्धविदखध
नयहनसुनासुखदनमिर्नसंवधयजिर्नवाधिसखगनयवनीसंगुनरयनिस
लासुस्ययरावाप्रनुवंसयहवनिनाहंआहंवदुम्यरुगवयक्रमसकयमक
पाकवधमनिमंगवाजानीसवसुखावदंआहंसाधुसमादावावसुनवध
मिर्ननानजसुसासुखसखकथनिहनगयियजसावाजवसधसदयदवम

स्रु याथमास्यननुर्वं समानयंनु ॥ रुक्रयं याथिन दयाय बद्धाय मयवर्मनं लं स
 वीसिधियदायकं गृह्यन्क्ताय सानिलसं रुक्रयय दाययं रुसर्वमंगलयाय धर्म
 धननि सर्वसिद्धि धारुणस्य दनगनं सर्वं न ला कं कुबधां यियसा नास्य निजः २
 सिनां धननियथा रुसुन धायि सां निं यं मूर्ति नियसु गन थनी सदा सुखं मय मेः
 निद्राया रुय जि नं सुसा रुधा वनं सर्व धर्म मंध वि नाग था सह वयू गृयू न्य रु वं व

एतना संसया ०० सामदा व धि धा लय मिनिमान ल व ह या नियरि न या वा धि स ४
 त्वा सदा सया दयं नि ॥ वा ध क्रो यं धा वा द्यो नो रु व सा रु सर्व ह य र्क्ष सु जि ना ना
 वु व मं द्या नि वा क सा ना ग म नी द्रा य था ग था या क् वा स ग ग वा रु स यी व वा रु स व
 सा य धि वं गं म्य ना ना ग क न्या वि नू वा रु स ज स्य ना धा ल य न ल ग स्य य रु व म द ४
 रु स्रु य या वा र्वा जि रु दि ना य स र्वा स त्वा नां व कि या य ना म र्द वं रु ॥ ३ न सो रु ग
 सो

कान्ध १ वड १ वड कालानवयर् ॥ वड कालाना रिक समधु गनवड र्यदवडः
 बालादि रि वनी विधु खरु समनिदु २ रु समनिकु लेखग अडि र्य अयवाः
 डिने अय मि रं गय न्य हाना स राला क य वि वि र्य अ समरु क ॥ ग स २ म द
 मथ २ य म र्य अ वि अ य ति ह र्य म र्य वि य वि गी स नि सि धा २ सां धा २ रु ग वः
 गि सम का र्ज नि स व स राना य स व र्ग न ~~म र्य र्य~~ क द म र्य व ति नि ॥ क यः
 २ १

मरु कं मरु व न्य नि र्य अ म रु रु अ म रु य व अ म रु कं द वि अ व धू ग नि वा सि नि अः
 व धू ग रु क नि वि धू ना म ध र्म नि ॥ ध म १ व न १ रु न १ र्वा र १ क न १ द व १ दी र्य मः
 ह ना र्य म्वा धा व ना द व नि र्क का व र्य धा वां न त ह स नं ता सि न रु व न्य अ वि ॥
 ध क १ ध क १ ध क १ ध न १ वि ध न १ म द १ ग मां १ धं १ धा १ रु रु । म व य १ ज य व
 हा ज या म र्वा का र्ज नि कं य व म्वा अ वि वि स अ वि वि व र्वा वि क ध नो ज स वि वि धि व वि स

मयश्च विमयलुयिनिमयवर्गिनिमयविबनायकनिवज्जनयकनिधिथन
यकनिकाश्याखविकामयविस्वयमहाधिद्यावद्विंशत्रयध्वनिमहावि
किंनयवध्वनिमहावि किंनयसदृहमयविबननिमालाविदयदसनिमाह ७
विद्याघातनिर्गजयश्चर्वमावानुसाययश्चर्कसागलान्॥द्यानयश्चर्वदस
न॥किंनयश्चर्वगलान्॥सावयश्चर्वहानान्॥नासयश्चर्वज्जक्राकृसन॥यजः

वर्गिनीसर्वस्वानां च॥डंमूनिश्चमाहमूनिर्चितामनिमनिधनियर्द्रनियर्द्रमनिव
ज्जमनिवज्जकनिनिवज्जदाकिनिद्रदयमूनिमूलाद्वर्किकिनिर्द्रिनिनिशाघः
वर्मश्चामगयमाहाकधवाजमूदायुविनयलनङ्गगङ्गजवाग्वनासाह्वनकि
नष्टदनिमनिवर्हिगमविग्रहगनाकिगविगर्द॥दृश्दिश्चगसदसमनियक
यलामंदयसिख्यर्तध्वजुकसूचगमकृगमनिमालायविगुर्विनादयायिः

ध्याविस्वगसवयमंबूदाकडवनिहंकावबूषिनिनैधुगुकवसंकचनैलाकाकडवनिह
 वनथागगगुश्रुदयमाहामडाधिपियेमाहामयमाहामायमायीविमादिनिमाये
 जाग्रनया॥ववशविचवशस्यवशनेधुगुकनमकिचविसविगुगवहनयना
 माहाकवसनिहा॥विशुशविचसनमिश्रयवसैदविमूढाहविजहंवहंवजी
 कृसधवनिचाहहानिधुविधियवजयमहासुखासाहावेजधवहानगर

७

॥वमशसमयजानिनिसवमंदवयुजित्यकालनिहकावकवसंकचसवमा
 जसर्मरुजा॥सगशमाधि॥शमाहयशनासयशधानयशनीरयशमाहयशनाः
 दयशरुद्रुविधूसयशुडमादयशसवदसायदखानीरगवनिधावर्णय
 कजगिहंरुदुदुदुनमंशुयुयखाहावलियुजित्यखाहाजागिनिगनंव
 दिखखाहा॥सर्वनथागतसमयादिथिखखा॥सर्वनथागतधिपियखाहा

॥ अयनिहमयेद्यस्वाहा ॥ अयनिहमयरायस्वाहा ॥ नैलाकाकर्वनिस्वाहा ॥ उँहः
स्वाहा ॥ उँहस्वाहा ॥ उँनिस्वाहा ॥ उँगिस्वाहा ॥ निवकर्वनिस्वाहा ॥ वगुवकर्मदयः
स्वाहा ॥ सयिनिस्वाहा ॥ रिक्कमिस्विस्वाहा ॥ वलामुद्विस्वाहा ॥ किर्नानमथनिस्वाः
हा ॥ मानिगानवदिश्यस्वाहा ॥ मागिहृदयवियस्वाहा ॥ समसानयासिनिस्वाहा
॥ माहाकलियियस्वाहा ॥ माहनस्वाहा ॥ विमदनस्वाहा ॥ स्वधविस्वाहा ॥ विस्वद

विस्वाहा ॥ यकविद्यस्वाहा ॥ सबनविद्यस्वाहा ॥ हनमिमसमृगयस्वाहा ॥ धर्मध
दुगरयस्वाहा ॥ माहासमयस्वाहा ॥ माहासाहासयमधनिस्वाहा ॥ नुस्वाहा ॥ गुव
स्वाहा ॥ गुरुवस्वाहा ॥ कजवालाहिस्वाहा ॥ कजनायस्वाहा ॥ सवर्मनुजधियनिय
स्वाहा ॥ यववक्रायस्वाहा ॥ समसानकविधियस्वाहा ॥ कुरुयययस्वाहा ॥ वक्रुम
रुगावगिमसर्वस्वानां ॥ सवगुनयनयिमा ॥ दाकदाकिनियसमातया ॥ रुसव

कतयदाममसवसवानां ॥ सां गिं कलुयलिं कलुचक्रांकुवरुवावनिधियवगांयक
जगिहूँहूँहूँहूँहूँनमस्तुत्यसादा ॥ सार्थश्रयकजगिनामध्वनि समाय ॥ सध्व
सार्थध्वजथादिमानथाविधिविवाक्केनास्मिध्वनश्रुतसंवर्त ॥ ७८ ॥ मि आश्व ८
धकध्वसवगमिक ॥ सवर्णयगिनयायाइलश्रुतसंघदाकावमगल्लरवगु ॥ ७९ ॥



DH 340

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविद्यालय-101-114-51/01